सत्र 2026–27
नियमित परीक्षार्थियों हेतु

एम.ए. तबला–प्रथम सेमेस्टर
प्रथम प्रश्न पत्र–भारतीय संगीत का इतिहास

समय : 3 घण्टे

अंक योजना		
मिड टर्म	एण्ड टर्म	कुल अंक
30 न्यूनतम उत्तीर्णांक 36%	70 न्यूनतम उत्तीर्णांक 36%	100

इकाई–1

1. तबला एवं पखावज (मृदंग) की उत्पत्ति एवं विकास का ऐतिहासिक अध्ययन।
2. संगीत संबंधी दिये गये विषय पर न्यूनतम 300 शब्दों में निबंध।

इकाई–2

1. भारतीय वाद्य वर्गीकरण के सिद्धांत का विस्तृत अध्ययन।
2. प्राचीन घन वाद्यों का सचित्र वर्णन।

   करताल, कास्यताल, कल्पतरू, घण्टा, घडियाल, कम्रा, जयघण्टा, छुद्रघण्टा (घुंघरू)

इकाई–3

1 भारतीय संगीत का इतिहास – भरतकाल से मध्ययुग तक (12वीं शताब्दी तक)।

2 संगीत शास्त्रों में वर्णित प्राचीन ताल पद्धति के इतिहास का अध्ययन।

इकाई–4

1 अवनद्ध की परिभाषा तथा निम्नलिखित अवनद्ध वाद्यों का सचित्र वर्णनः–

(अ) मृदंग, पणव, दर्दुर, मर्दल, झल्लरी, करटा।

(ब) पटह, डमरू, निःसाण, त्रिवली, रूंझा, भेरी।

इकाई–5

1 निम्नलिखित शास्त्रकारों एवं उनके ग्रंथों का सामान्य परिचयः–

(अ) स्वाति, भरत, मतंग, व्यंकटमखी, सवाई प्रतापसिंह।

(ब) शारंगदेव, महाराणा कुम्भा, पं. भातखण्डे, पं. पलुस्कर।

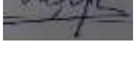
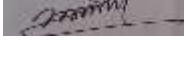
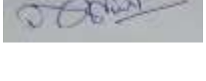
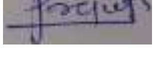

सत्र 2026–27
नियमित परीक्षार्थियों हेतु
एम.ए. तबला–प्रथम सेमेस्टर
द्वितीय प्रश्न पत्र–संगीत के क्रियात्मक सिद्धांत

समय 3 घण्टे

अंक योजना		
मिड टर्म	एण्ड टर्म	कुल अंक
30 न्यूनतम उत्तीर्णांक 36%	70 न्यूनतम उत्तीर्णांक 36%	100

इकाई–1

1 सांगीतिक ध्वनि का वैज्ञानिक अध्ययन। नाद–कोलाहल–तारता, ध्वनि तरंगें तीव्रता गुण या जाति।

2 अवनद्ध वाद्यों के वर्गीकरण का विस्तृत अध्ययन।

इकाई–2

1 पं. भातखण्डे एवं पं. पलुस्कर ताल लिपि पद्धति का विस्तृत अध्ययन।

2 कर्नाटक माललिपि पद्धति का विस्तृत अध्ययन।

इकाई–3

1 कर्नाटक संगीत में प्रचलित अवनद्ध तथा घन वाद्यों का सचित्र वर्णन।
मृदंगम, घटम, मंजीरा, तविल, मोरचंग, चेण्डा।

2 कर्नाटक एवं उत्तर भारतीय तालपद्धति का तुलनात्मक अध्ययन।

इकाई–4

1 लय और लयकारी का विस्तृत अध्ययन एवं विभिन्न लयकारियों को माललिपि में लिखने का अभ्यास।

2 त्रिताल, झपताल, एकताल, रूपक, आडाचौताल एवं रूद्र तालों को विभिन्न लयकारियों में लिखने की क्षमता।

इकाई–5

1 त्रिताल में प्रत्येक मात्रा से प्रारंभ कर बत्तीस तिहाईयों के चक्र का विस्तृत अध्ययन।

2 दिये गये बोलों के आधार पर किसी भी ताल में निर्देशानुसार बंदिशों की रचना कर माललिपि में लिखना।

सत्र 2026–27
नियमित परीक्षार्थियों हेतु
एम.ए. तबला–प्रथम सेमेस्टर
प्रायोगिक–1 (वायवा)

अंक योजना		
मिड टर्म	एण्ड टर्म	कुल अंक
30 न्यूनतम उत्तीर्णांक 36%	70 न्यूनतम उत्तीर्णांक 36%	100

1. त्रिताल, झपताल, रूपक, एकताल के अतिरिक्त आडाचौताल एवं 11 मात्रा में स्वतंत्र वादन।
2. पाठ्यक्रम के तालों को विभिन्न लयकारियों में बजाने का अभ्यास।
3. तिलवाडा, झूमरा, एकताल, आडाचौताल को विलंबित लय में बजाने की क्षमता।
4. दिल्ली एवं अजराडा घराने की बंदिशों का विशेष ज्ञान व बजाने की क्षमता।
5. शास्त्रीय गायन एवं वादन में संगति का अभ्यास।

एम.ए. तबला–प्रथम सेमेस्टर
प्रायोगिक–2 (मंच प्रदर्शन)

अंक योजना		
मिड टर्म	एण्ड टर्म	कुल अंक
30 न्यूनतम उत्तीर्णांक 36%	70 न्यूनतम उत्तीर्णांक 36%	100

आमंत्रित श्रोताओं के समक्ष।

1. त्रिताल, झपताल, रूपक, एकताल में से किसी एक ताल का 15 मिनिट वादन।
2. परीक्षक के निर्देशानुसार आडाचौताल, 11 मात्रा में से किसी एकताल का 10 मिनिट वादन।
3. तबला वाद्य को स्वर में मिलाने का ज्ञान।

//संदर्भित पुस्तकें//

1. पखावज एवं तबला के घराने एवं परम्पराएँ : डॉ. अबान मिस्त्री
2. भारतीय ताल वाद्य : डॉ. लालमणि मिश्र
3. तबले का उद्गम, विकास एवं वादन शैलियॉ : डॉ. योगमाया शुक्ल
4. तबला : श्री अरविंद मुलगॉवकर
5. प्रमुख ताल वाद्य पखावज एवं तबले की परंपराऍ : डॉ. मोहिनी वर्मा
6. ताल शास्त्र : डॉ. जमुना प्रसाद पटेल
7. भारतीय संगीत शास्त्रों में वाद्यों का चिंतन : डॉ. अंजना भार्गव
8. भारतीय तालों का शास्त्रीय विवेचन : डॉ. अरूण कुमार सेन

सत्र 2026–27
नियमित परीक्षार्थियों हेतु
एम.ए. (तबला) द्वितीय सेमेस्टर
प्रथम प्रश्न पत्र–भारतीय संगीत का इतिहास

समय : 3 घण्टे

अंक योजना		
मिड टर्म	एण्ड टर्म	कुल अंक
30 न्यूनतम उत्तीर्णांक 36%	70 न्यूनतम उत्तीर्णांक 36%	100

इकाई–1

1 नाट्यशास्त्र के तालाध्याय के आधार पर मार्ग ताल पद्धति का विस्तृत विवेचन।

2 देशी ताल पद्धति का विस्तृत अध्ययन।

इकाई–2

1 प्राचीन तथा मध्ययुगीन ग्रंथों में वर्णित अवनद्ध वाद्यों के पाटाक्षर तथा उनकी रचनाओं का अध्ययन।

2 नाट्यशास्त्र में वर्णित अवनद्ध वाद्यों के वादन विधि से संबंधित पारिभाषिक शब्दों की व्याख्या तथा वर्तमान वादन विधि में उनकी उपयोगिता।

इकाई–3

1 दिये गये संगीत संबंधी विषय पर न्यूनतम 200 शब्दों में निबंध लेखन।

2 पखावज एवं तबला वादन की शैली का तुलनात्मक अध्ययन।

इकाई–4

1 एकल तबला वादन के विकास का ऐतिहासिक अध्ययन तथा विभिन्न घरानों में एकल तबला वादन के क्रम एवं स्वरूप का अध्ययन।

2 तबला एवं पखावज की बंदिशों के विकास का ऐतिहासिक अध्ययन।

इकाई–5

1 ताल वाद्यों की आवश्यकता, उत्पत्ति एवं विकास का अध्ययन।

2 ताल वाद्यों के वर्गीकरण का अध्ययन।

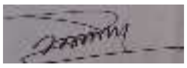
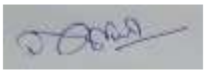
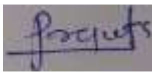

सत्र 2026–27
नियमित परीक्षार्थियों हेतु
एम.ए. (तबला) द्वितीय सेमेस्टर
द्वितीय प्रश्न–पत्र संगीत के क्रियात्मक सिद्धांत

समय 3 घण्टे

अंक योजना		
मिड टर्म	एण्ड टर्म	कुल अंक
30 न्यूनतम उत्तीर्णांक 36%	70 न्यूनतम उत्तीर्णांक 36%	100

इकाई–1

1 बंदिश की परिभाषा– विस्तारशील एवं अविस्तारशील बंदिशों का विश्लेषणात्मक अध्ययन।

2 प्राचीन शास्त्र ग्रंथों में वर्णित अवनद्ध वाद्य वादकों के गुण–दोष। (तबला वादन के संदर्भ में)

इकाई–2

1 गत एवं उसके विभिन्न प्रकारों का विवेचनात्मक सोदाहरण अध्ययन।

2 तिहाई और चक्रदार का रचना सिद्धांत एवं उनके अन्तर्निहित संबंध, तुलनात्मक ज्ञान तथा गणितीय सिद्धांतों का विवेचन।

इकाई–3

1. दिये गये बोलों के आधार पर त्रिताल, झपताल, एकताल, रूद्र, सवारी (15 मात्रा), आडा चौताल तालों में विभिन्न रचनाएँ बनाकरताललिपि में लिखना।

2. त्रिताल में प्रत्येक मात्रा से नवहक्का तिहाईयॉ बनाने का अभ्यास।

इकाई–4

1 पाश्चात्य संगीत की स्टाफ नोटेशन पद्धति का विस्तृत अध्ययन और भारतीय तालों को पाश्चात्य ताल लिपि में लिखने का ज्ञान ।

2 निम्नलिखित पाश्चात्य अवनद्ध वाद्यों का अध्ययनः–

कीटल ड्रम, टेनर ड्रम, बास ड्रम, स्नेअर ड्रम।

इकाई–5

1 त्रिताल, झपताल, रूपक, एकताल, सवारी (15 मात्रा) तालों को विभिन्न लयकारियों में लिखने का अभ्यास।

2 किसी भी ताल के ठेके को किसी अन्य ताल में सम से सम तक समायोजित करताललिपपि में लिखने का अभ्यास।

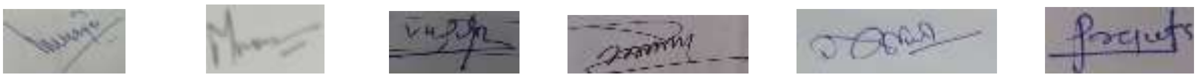

सत्र 2026–27
नियमित परीक्षार्थियों हेतु
एम.ए. (तबला) द्वितीय सेमेस्टर
प्रायोगिक–1 (वायवा)

अंक योजना		
मिड टर्म	एण्ड टर्म	कुल अंक
30 न्यूनतम उत्तीर्णांक 36%	70 न्यूनतम उत्तीर्णांक 36%	100

1. पिछले पाठ्यक्रम की पुनरावृत्ति।
2. पूर्व मे सीखे गये तालों के अतिरिक्त ताल सवारी (15 मात्रा) में लहरे के साथ एकल वादन करने की योग्यता।
3. त्रिताल, एकताल, झपताल तथा रूपक में किसी निश्चित बोल को विभिन्न लयकारियों मे बजाने का अभ्यास।
4. बनारस एवं पंजाब घराने की बंदिशों का विशेष ज्ञान व बजाने की क्षमता।
5. उपशास्त्रीय एवं सुगम संगीत में संगत का अभ्यास।

नियमित/स्वाध्यायी परीक्षार्थियों हेतु
एम.ए. (तबला) द्वितीय सेमेस्टर
प्रायोगिक – 2 (मंच प्रदर्शन)

अंक योजना		
मिड टर्म	एण्ड टर्म	कुल अंक
30 न्यूनतम उत्तीर्णांक 36%	70 न्यूनतम उत्तीर्णांक 36%	100

1. त्रिताल, झपताल, रूपक, एकताल में से किसी एक ताल का 20 मिनिट वादन।
2. सवारी (15 मात्रा) लहरें के साथ 15 मिनिट वादन।
3. तबला वाद्य को स्वर में मिलाने का ज्ञान।

//संदर्भित पुस्तकें//

1. पखावज एवं तबला के घराने एवं परम्पराएँ : डॉ. अबान मिस्त्री
2. भारतीय ताल वाद्य : डॉ. लालमणि मिश्र
3. तबले का उद्गम, विकास एवं वादन शैलियॉ : डॉ. योगमाया शुक्ल
4. तबला : श्री अरविंद मुलगॉवकर
5. प्रमुख ताल वाद्य पखावज एवं तबले की परंपराएँ : डॉ. मोहिनी वर्मा
6. ताल शास्त्र : डॉ. जमुना प्रसाद पटेल
7. भारतीय संगीत शास्त्रों में वाद्यों का चिंतन : डॉ. अंजना भार्गव
8. भारतीय तालों का शास्त्रीय विवेचन : डॉ. अरूण कुमार सेन

सत्र 2027–28
नियमित परीक्षार्थियों हेतु
एम.ए. (तबला) तृतीय सेमेस्टर
प्रथम प्रश्न पत्र–भारतीय संगीत का इतिहास

समय 3 घण्टे

अंक योजना		
मिड टर्म	एण्ड टर्म	कुल अंक
30 न्यूनतम उत्तीर्णांक 36%	70 न्यूनतम उत्तीर्णांक 36%	100

इकाई–1

1 अवनद्ध वाद्यों का इतिहास, संगीत में उनकी उपयोगिता एवं महत्व।

2 अवनद्ध वाद्यों का बनावट आकार तथा निर्माण सामग्री के आधार पर विवेचन।

इकाई–2

1 भारतीय संगीत का इतिहास मध्ययुग (13वीं शताब्दी से वर्तमान युग तक)

2 तबला वादन में घरानों की आवश्यकता, उपयोगिता एवं महत्व तथा वर्तमान युग में घरानों की प्रासंगिकता।

इकाई–3

1. लोक संगीत की व्याख्या तथा लोक संगीत में प्रचलित निम्नलिखित अवनद्ध तथा घन वाद्यों का सचित्र वर्णन :–

(अ) ढोलक, नाल, नगाडा, टिमकी, चिमटा, झांझ।

(ब) खोल, ताशा, मांदल, डफ, हुडुक्का, मंजीरा, चिपली।

इकाई–4

1 उत्तर भारतीय ताल–पद्धति के विकास का अध्ययन।

2 दिये गये संगीत संबंधी विषय पर न्यूनतम 200 शब्दों में निबंध लेखन।

इकाई–5

1 निम्नलिखित पुस्तकों की विशेषताओं का अध्ययन :–

(अ) भारतीय संगीत वाद्य, तबला वादन–कला एवं शास्त्र, भारतीय तालों का शास्त्रीय विवेचन। (ब) पखावज और तबला वादन के घराने और परम्पराएँ, ताल कोष, तबले का उदगम, विकास एवं वादन शैलियाँ।

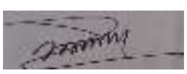
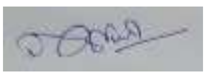
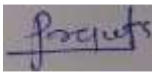

सत्र 2027–28
नियमित परीक्षार्थियों हेतु
एम.ए. (तबला) तृतीय सेमेस्टर
द्वितीय प्रश्न पत्र–संगीत के क्रियात्मक सिद्धांत

समय 3 घण्टे

अंक योजना		
मिड टर्म	एण्ड टर्म	कुल अंक
30 न्यूनतम उत्तीर्णांक 36%	70 न्यूनतम उत्तीर्णांक 36%	100

इकाई–1

1 एकल तबला वादन के संदर्भ में ताल का चयन, सामग्री चयन, बंदिशों का क्रम, नग्मा (लहरा) का महत्व।

2 एक सुंदर एवं सफल सांगीतिक प्रस्तुति में मंच सज्जा, ध्वनि एवं प्रकाश व्यवस्था, रंग एवं वेशभूषा का महत्व।

इकाई–2

1 संगीत में क्लिष्ट एवं अप्रचलित तालों की उपयोगिता पर विचार।

2 पेशकार, कायदा तथा रेला के रचना सिद्धांतों का विस्तृत विवेचन एवं उनका पारस्परिक तुलनात्मक अध्ययन।

इकाई–3

1 ताल के दस प्राणों का विस्तृत अध्ययन एवं वर्तमान संदर्भ में उसकी व्याख्या।

2 दिये गये बोलों के आधार पर त्रिताल, झपताल, एकताल, रूपक, रूद्र, सवारी (15 मात्रा), आडाचौताल एवं बसंत तालों में विभिन्न रचनाएँ बनाकर ताललिपि में लिखना।

इकाई–4

1 वर्तमान तालों के विकास का ऐतिहासिक अध्ययन। सुगम संगीत के तालों के विकास का ऐतिहासिक अध्ययन।

2 उत्तर भारतीय अवनद्ध एवं घन वाद्यों का ऐतिहासिक विवेचन तथा संगीत में ताल के महत्व का अध्ययन।

इकाई–5

1 तालमय ध्वनि का वैज्ञानिक विश्लेषण।

2 चर–अचर प्राणियों पर तालमय ध्वनि का प्रभाव।

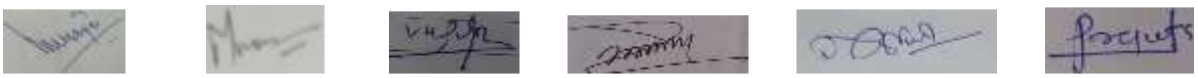

सत्र 2027–28
नियमित परीक्षार्थियों हेतु
एम.ए. (तबला) तृतीय सेमेस्टर
प्रायोगिक–1 (वायवा)

अंक योजना		
मिड टर्म	एण्ड टर्म	कुल अंक
30 न्यूनतम उत्तीर्णांक 36%	70 न्यूनतम उत्तीर्णांक 36%	100

1. पिछले पाठयक्रमों की पुनरावृत्ति।
2. त्रिताल, झपताल, रूपक, एकताल, के अतिरिक्त आडाचौताल, ग्यारह एवं नौ मात्रा में स्वतंत्र वादन।
3. पाठ्यक्रम के तालों को विभिन्न लयकारियों में बजाने का अभ्यास।
4. तिलवाडा, झूमरा, एकताल आडाचौताल को विलंबित लय में बजाने की क्षमता।
5. लखनऊ एवं बनारस घराने की बंदिशों का विशेष ज्ञान व बजाने की क्षमता।
6. शास्त्रीय गायन एवं वादन में संगत का अभ्यास।

एम.ए. तबला (तृतीय) सेमेस्टर
प्रायोगिक–2 मंच प्रदर्शन

अंक योजना		
मिड टर्म	एण्ड टर्म	कुल अंक
30 न्यूनतम उत्तीर्णांक 36%	70 न्यूनतम उत्तीर्णांक 36%	100

आमंत्रित श्रोताओं के समक्ष।

1. त्रिताल, झपताल, रूपक, एकताल में से किसी एक ताल का 20 मिनिट वादन।
2. आडाचौताल, ग्यारह, नौ में से किसी एकताल का परीक्षक के निर्देशानुसार 15 मिनिट वादन।
3. तबला वाद्य को स्वर में मिलाने का ज्ञान।

//संदर्भित पुस्तकें//

1. पखावज एवं तबला के घराने एवं परम्पराएँ : डॉ. अबान मिस्त्री
2. भारतीय ताल वाद्य : डॉ. लालमणि मिश्र
3. तबले का उद्गम, विकास एवं वादन शैलियॉ : डॉ. योगमाया शुक्ल
4. तबला : श्री अरविंद मुलगॉवकर
5. प्रमुख ताल वाद्य पखावज एवं तबले की परंपराऍ : डॉ. मोहिनी वर्मा
6. ताल शास्त्र : डॉ. जमुना प्रसाद पटेल
7. भारतीय संगीत शास्त्रों में वाद्यों का चिंतन : डॉ. अंजना भार्गव
8. भारतीय तालों का शास्त्रीय विवेचन : डॉ. अरूण कुमार सेन

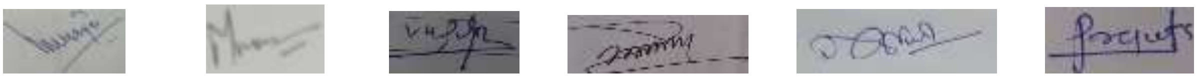

सत्र 2027–28
नियमित परीक्षार्थियों हेतु
एम.ए. (तबला) चतुर्थ सेमेस्टर
प्रथम प्रश्न पत्र–भारतीय संगीत का इतिहास

समय 3 घण्टे

अंक योजना		
मिड टर्म	एण्ड टर्म	कुल अंक
30 न्यूनतम उत्तीर्णांक 36%	70 न्यूनतम उत्तीर्णांक 36%	100

इकाई–1

1. प्राचीन एवं वर्तमान ताल पद्धतियों का तुलनात्मक अध्ययन।
2. उपशास्त्रीय तथा सुगम संगीत में प्रयुक्त तालों के विकास का अध्ययन।

इकाई–2

1 संगीत शिक्षण की प्राचीन परंपरा एवं विकास तथा संस्थागत शिक्षा प्रणाली का ऐतिहासिक अध्ययन।

2 गुरू शिष्य परम्परा एवं संस्थागत शिक्षण प्रणाली के गुण–दोष।

इकाई–3

1 छन्द की परिभाषा तथा छन्द और ताल के पारस्परिक संबंधों का ज्ञान।

2 बंदिश के संदर्भ में छन्दों का महत्व, रस–भाव एवं लय–बोल का संबंध।

इकाई–4

1 पारंपरिक ताल वाद्यों का महत्व एवं उपयोगिता।

2 आधुनिक इलेक्ट्रॉनिक संगीत उपकरणों की उपयोगिता का विश्लेषणात्मक अध्ययन (ताल वाद्यों के संदर्भ में)

इकाई–5

1. तबला के विभिन्न घरानों की उत्पत्ति का वादन शैली के आधार पर विश्लेषण।
2. विशिष्ट कलाकारों की वादन विशेषताओं का अध्ययन।

   उ. अहमदजान थिरकवा, उ. अल्लारखा खॉं, पं. किशन महाराज, पं. गुदई महाराज।

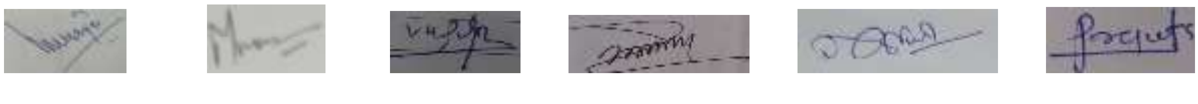

एम.ए. (तबला) चतुर्थ सेमेस्टर
द्वितीय प्रश्न पत्र–संगीत के क्रियात्मक सिद्धांत

समय 3 घण्टे

अंक योजना		
मिड टर्म	एण्ड टर्म	कुल अंक
30 न्यूनतम उत्तीर्णांक 36%	70 न्यूनतम उत्तीर्णांक 36%	100

इकाई–1

1 प्राचीन वाद्य वर्गीकरण का विवेचन एवं संशोधन की संभावनाऍं।

2 दिये गये बोलों के आधार पर त्रिताल, झपताल, एकताल, रूपक, रूद्र, सवारी (15 मात्रा), आडा चौताल, 9, 17 एवं 13 मात्रा में विभिन्न रचनाऍं बनाकरताललिपि में लिखना।

इकाई–2

1 मुखडा, टुकडा, परन, चक्रदार के रचना सिद्धांत का विस्तृत विवेचन ।

2 पेशकार, कायदा तथा रेला के विस्तार नियमों की व्याख्या।

इकाई–3

1 किसी ताल के ठेके को अन्य तालों में समायोजित करने का अभ्यास।

2 लोक संगीत एवं उपशास्त्रीय संगीत में प्रयुक्त तालों की विवेचना।

इकाई–4

1 शोध की परिभाषा, संगीत में शोध के अवसर, आवश्यकता एवं नवीन आयाम।

2 शोध विषय का चयन, संक्षेपिका तथा शोध कार्य में आने वाली समस्याओं का अध्ययन।

इकाई–5

1 शोध के संदर्भ में सामग्री संकलन, फील्ड वर्क, प्रश्नावली, रिपोर्ट लेखन की भाषा एवं प्रस्तुतिकरण।

2 सांगीतिक शोध कार्य हेतु सहायक सामग्री–पुस्तकें, पत्र–पत्रिकाऍं, दृश्य श्रव्य उपकरण (मोबाईल, कैमरा, कम्प्यूटर, इंटरनेट तथा अन्य)

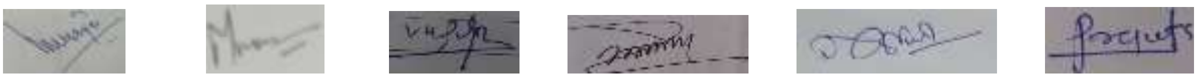

सत्र 2027–28
नियमित परीक्षार्थियों हेतु
एम.ए. (तबला) चतुर्थ सेमेस्टर
प्रायोगिक–1 (वायवा)

अंक योजना		
मिड टर्म	एण्ड टर्म	कुल अंक
30 न्यूनतम उत्तीर्णांक 36%	70 न्यूनतम उत्तीर्णांक 36%	100

1. पिछले पाठ्यक्रमों की पुनरावृत्ति।
2. त्रिताल, झपताल, रूपक, एकताल, के अतिरिक्त आडाचौताल, 9, 11 एवं 17 मात्रा में स्वतंत्र वादन।
3. पाठ्यक्रम के तालों को विभिन्न लयकारियों में बजाने का अभ्यास।
4. तिलवाडा, झूमरा, एकताल आडाचौताल को विलंबित लय में बजाने की क्षमता।
5. तीनताल एवं एकताल द्रुत लय में बजाने की क्षमता।
6.. पंजाब एवं फर्रूक्खाबाद घराने की बंदिशों का विशेष ज्ञान व बजाने की क्षमता।
7. शास्त्रीय गायन एवं वादन में संगत का अभ्यास।
8. कथक नृत्य की संगति का ज्ञान।

एम.ए. तबला–चतुर्थ सेमेस्टर
प्रायोगिक–2 (मंच प्रदर्शन)

अंक योजना		
मिड टर्म	एण्ड टर्म	कुल अंक
30 न्यूनतम उत्तीर्णांक 36%	70 न्यूनतम उत्तीर्णांक 36%	100

आमंत्रित श्रोताओं के समक्ष।

1. त्रिताल, झपताल, रूपक, एकताल में से किसी एक ताल का 20 मिनिट वादन।
2. आडाचौताल, 11 मात्रा, 9 मात्रा में से किसी एक ताल का परीक्षक के निर्देशानुसार 15 मिनिट वादन।
3. तबला वाद्य को स्वर में मिलाने का ज्ञान।

//संदर्भित पुस्तकें//

1. पखावज एवं तबला के घराने एवं परम्पराएँ : डॉ. अबान मिस्त्री
2. भारतीय ताल वाद्य : डॉ. लालमणि मिश्र
3. तबले का उद्‌गम, विकास एवं वादन शैलियॉ : डॉ. योगमाया शुक्ल
4. तबला : श्री अरविंद मुलगॉवकर
5. प्रमुख ताल वाद्य पखावज एवं तबले की परंपराएँ : डॉ. मोहिनी वर्मा
6. ताल शास्त्र : डॉ. जमुना प्रसाद पटेल
7. भारतीय संगीत शास्त्रों में वाद्यों का चिंतन : डॉ. अंजना भार्गव
8. भारतीय तालों का शास्त्रीय विवेचन : डॉ. अरूण कुमार सेन